पाठ 8 ऐसे ऐसे

प्रश्न 1.'सड़क के किनारे एक सुंदर फ्लैट में बैठक का दृश्य। उसका एक दरवाज़ा सड़क वाले बरामदे में खुलता है... उस पर एक फ़ोन रखा है। इस बैठक की पूरी तसवीर बनाओ।

उत्तर-बैठक में फ़र्श पर कालीन बिछा है। इसके ऊपर सोफा सेट रखा है। कोने में तिपाही पर फूलदान सज़ा है। दूसरे कोने में टेबल लैंप रखा है। कमरे के बीच में शीशे की मेज़ रखी है। मेज़ पर अखबार और पत्रिकाएँ रखी हैं। दीवार पर दो सुंदर पेंटिंग टँगी हुई है।
छात्र दिए गए विवरण के आधार पर चित्र बनाएँ।

प्रश्न 2.माँ मोहन के 'ऐसे-ऐसे' कहने पर क्यों घबरा रही थी?

उत्तर-माँ का घबराना स्वाभाविक था क्योंकि मोहन कुछ बताता ही नहीं था बस ऐसे-ऐसे किए जा रहा था। माँ ने सोचा पता नहीं यह कौन-सी बीमारी है और कितनी भयंकर है। इसलिए मोहन की माँ घबरा गई थी

प्रश्न 3.ऐसे कौन-कौन से बहाने होते हैं जिन्हें मास्टर जी एक ही बार सुनकर समझ जाते हैं? ऐसे कुछ बहानों के बारे में लिखो।

उत्तर-पेट दर्द, सिर दर्द, बुखार, माता-पिता के साथ कहीं जाना, माता-पिता द्वारा किसी काम के लिए कहा जाना, शादी में जाना, बस छूट जाने का बहामा, माँ की बीमारी का बहाना इत्यादि।

भाषा की बात

www.kcp.com

(क) मोहन ने केला और संतरा खाया।

(ख) मोहन ने केला और संतरा नहीं खाया।

(ग) मोहन ने क्या खाया?

मोहन केला और संतरा खाओ।

उपर्युक्त वाक्यों में से पहला वाक्य एकांकी से लिया गया है। बाकी तीन वाक्य देखने में पहले वाक्य से मिलते-जुलते हैं, पर उनके अर्थ अलग-अलग हैं। पहला वाक्य किसी कार्य या बात के होने के बारे में बताता है। इसे **विधिवाचक वाक्य** कहते हैं। दूसरे वाक्य का संबंध उस कार्य के न होने से है, इसलिए उसे निषेधात्मक वाक्य कहते हैं। (निषेध का अर्थ नहीं या मनाही होता है।) तीसरे वाक्य में इसी बात को प्रश्न के रूप में पूछा जा रहा है, ऐसे वाक्य **प्रश्नवाचक** कहलाते हैं। चौथे वाक्य में मोहन से उसी कार्य को करने के लिए कहा जा रहा है। इसलिए उसे **आदेशवाचक वाक्य** कहते हैं। आगे एक वाक्य दिया गया है। इसके बाकी ***तीन रूप तुम सोचकर लिखो।***

बताना- रूथ ने कपड़े अलमारी में रखे।

नहीं/मना करना : .....

पूछना : .....

आदेश देना : .....

उत्तर-

नहीं/मना करना : रुथ ने कपड़े अलमारी में नहीं रखे।

पूछना : क्या रुथ ने कपड़े अलमारी में रखे ?

आदेश देना : रुथ कपड़े अलमारी में रखो।

www.kcph.com